RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
# गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 135
दि. 14.09.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

## संक्षिप्त समाचार

### मोदी सरकार का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बंपर निवेश, ₹1,500 करोड़ खर्च करने की तैयारी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी को पूरी दुनिया अब तेजी से अपना रही है। माना जा रहा है कि आने वाले दशक में यह तकनीक पब्लिक हेल्थ, ट्रांसपोर्ट से लेकर पढ़ाई और दूसरे सेक्टर में हावी हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कई बार कह चुके हैं कि भारत का आने वाला समय टेक्नोलॉजी और रिसर्च का है। भारत सरकार अगले हफ्ते इंडिया एआई मिशन के तहत ₹1,500 करोड़ की राशि के दूसरे राउंड के लाभार्थियों की घोषणा करने जा रही है। यह मिशन देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास और उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है।



# 'मणिपुर मां भारती के मुकुट पर सजा रत्न', इंफाल में बोले पीएम मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से पूर्वोत्तर के दौरे पर हैं। पीएम मोदी का ये दौरान कई मायनों में खास है। पूर्वोत्तर में पीएम मोदी कई परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री मणिपुर पहुंच चुके हैं। मणिपुर में दो साल पहले हिंसा भड़कने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री मोदी का ये दौरा है।

पीएम मोदी ने कहा कि मणिपुर में शांति आए स्थिरता आए, यहां के लोगों के हित सुरक्षित रहें, जो कैंपो में रहने को मजबूर हैं, उनका जीवन फिर पटरी पर आए, इसके लिए हमारी सरकार निरंतर काम कर रही है। सरकार द्वारा विस्थापितों के लिए 7 हजार नए घर स्वीकृत किए गए हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने मणिपुर के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज भी घोषित किया है।

आज मणिपुर के विकास के लिए हजारों-करोड़ों रुपये के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। ये प्रोजेक्ट आप सभी लोगों की ईज ऑफ लिविंग बढ़ाएंगे, इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेंगे और मणिपुर के युवाओं के लिए रोजगार के नए मौके भी बनाएंगे।

प्रधानमंत्री इंफाल में लोगों को संबोधित कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि मणिपुर मां भारती के मुकुट पर सजा रत्न है। इसलिए हमें मणिपुर की विकासवादी छवि को निरंतर मजबूत करना है। पीएम मोदी ने कहा कि मणिपुर एक सीमावर्ती राज्य है और यहां कनेक्टिविटी हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है। अच्छी सड़कों की कमी के कारण आपको जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है, मैं उन्हें अच्छी तरह समझता हूँ। इसीलिए, 2014 से, मैंने मणिपुर की कनेक्टिविटी को लगातार बेहतर बनाने पर जोर दिया है और इसके लिए भारत सरकार ने दो स्तरों पर काम किया है। पहला, हमने मणिपुर में सड़क और रेलवे पर बजट बढ़ाया। दूसरा, हमने गांवों को सड़कों से जोड़ने के लिए प्रयास किए... पिछले कुछ वर्षों में, मणिपुर में राष्ट्रीय राजमार्गों पर 3,700 करोड़ रुपये खर्च किए गए। नए राजमार्गों के निर्माण पर 8,700 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

पीएम मोदी के मणिपुर दौरे पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने निशाना साधा है।

## आरएमएल स्थापना दिवसः सीएम योगी ने डॉक्टरों को किया सम्मानित, बोले- हर मरीज के साथ करें अच्छा व्यवहार

लखनऊ (जीएनएस)।

लखनऊ में डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान का स्थापना दिवस मनाया गया। समारोह में सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हर मरीज के साथ डॉक्टरों का व्यवहार अच्छा हो। हर मरीज को अच्छी सुविधा मिले।

लोहिया संस्थान का स्थापना दिवस, सीएम योगी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉक्टरों को किया सम्मानित।

राजधानी लखनऊ में शनिवार को डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान का पांचवा स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह और प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा शामिल हुए।

इस मौके पर सीएम योगी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉक्टरों को सम्मानित किया। लोगों को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि डॉक्टरों का व्यवहार मरीजों के लिए काफी अहम होता है। गरीब परिवारों के प्रति आपकी संवेदना होनी चाहिए। अस्पताल में मरीजों को स्ट्रेचर मिल जाए। वार्ड बॉय उनकी मदद करें।

उन्होंने कहा कि यदि किसी गरीब परिवार के किसी व्यक्ति की दुखद मौत हो जाती है, तो संस्थान के वाहन से शव उसके घर तक पहुंचा दें। हमारे पास वाहन नहीं है तो संस्थान एक वाहन खरीद लें। निजी एंबुलेंस जो मरीजों को निजी अस्पताल ले जाती हैं, इन पर रोक लगनी चाहिए। पेशेवर ब्लड डोनेशन करने वाले लोग मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करते हैं। इस पर भी रोक लगे।

सीएम ने आगे कहा कि लोगों ने सोशल मीडिया को नजरअंदाज किया। विकास किस तरह बाधित हो जाता है। ये हमने पड़ोसी देश में देखा। आज के युग के अनुरूप हमें हर क्षेत्र में खुद को तैयार करना होगा। सेवा पखवाड़ा के दौरान पीएचसी, सीएचसी में आरोग्य मेले लगेंगे। आरएमएल को भी इसमें हिस्सा लेना चाहिए।

## 'अब खून और क्रिकेट एक साथ कैसे बहेंगे', उद्धव की शिवसेना हुई आगबबूला, इण्डिया-पाक मैच के खिलाफ आंदोलन का ऐलान

(जीएनएस)।

एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच लीग मैच 14 सितंबर को यूएई में खेला जाएगा। भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में गर्मागर्मी का माहौल है। इस मैच को लेकर शिवसेना उद्धव ठाकरे आगबबूला हो गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनका पुराना बयान याद दिलाते हुए शिवसेना यूबीटी ने भारत से पाकिस्तान के खिलाफ मैच न खेलने की मांग की है और भारत-पाकिस्तान के खिलाफ सड़कों पर उतर कर आंदोलन करने का ऐलान कर दिया है।

ठाकरे गुट ने 14 सितंबर को राज्यव्यापी 'माझं कुंकू-माझा देश' आंदोलन की घोषणा की है। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मोदी के पुराने बयान, "खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते," का हवाला देते हुए पूछा, "अब खून और क्रिकेट एक साथ कैसे बहेंगे, यह मोदी को बताना चाहिए।"




शिवसेवस यूबीटी की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी इस पर विरोध जताते हए एक पोस्ट लिखी है। जिसमें उन्होंने'ऑपरेशन सिंदूर' का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि जब वे इस ऑपरेशन के तहत विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे, तब उन्हें यह स्पष्ट संदेश दिया गया था कि "जब तक वे लोग हमारे देशवासियों का खून बहाते रहेंगे, तब तक न तो कोई व्यापार होगा, न कोई बातचीत होगी, और न ही पानी बहेगा।"

सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने 26 जवानों की शहादत और 26 महिलाओं के विधवा होने का जिक्र किया, जो पहलगाम में हुए आतंकी हमले का परिणाम था। इस घटना के बाद ही 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया गया था, जिसके तहत भारत ने पाकिस्तान को कड़ा जवाब दिया। उस समय यह तय किया गया था कि पाकिस्तान के साथ व्यापार और बातचीत दोनों बंद रहेंगे।

### पति को नई जिंदगी देने के लिए पत्नी ने बढ़ाया कदम, एसएमएस अस्पताल में होगा पहला लाइव लिवर ट्रांसप्लांट

राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल (एसएमएस) में शनिवार को चिकित्सा इतिहास का नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। यहां पहली बार लाइव लिवर ट्रांसप्लांट किया जाएगा। खास बात यह है कि इस ऑपरेशन में 42 वर्षीय मरीज की जिंदगी बचाने के लिए उनकी पत्नी ने अपना लिवर दान करने का साहसिक फैसला लिया है।

डॉक्टर्स के अनुसार मरीज का 80 प्रतिशत से अधिक लिवर काम करना बंद कर चुका है।

## मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की सरलता के हुए दर्शन, प्रज्ञाचक्षु बच्ची को माइक देकर सुनी बात

### उर्मि स्कूल की छात्रा गौरी शार्दुल ने मुख्यमंत्री के समक्ष कहा, 'सुगम्य भारत अभियान से दिव्यांगजनों की राह हुई आसान'

गांधीनगर, 13 सितंबर :वडोदरा के नगरजनों को शनिवार को फिर एक बार मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के बच्चों के प्रति प्रेम एवं सरलता (ऋजुता) के दर्शन हुए। इलेट्स अर्बन इनोवेशन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर समिट में सहभागी हुए मुख्यमंत्री ने एक प्रज्ञाचक्षु (नेत्रहीन) छात्रा को स्टेज पर माइक दिलाकर उसकी बातें स्नेहपूर्वक सुनीं।

हुआ कुछ यूँ कि समिट में उर्मि स्कूल के दिव्यांग बच्चों द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया, जिनमें इस विद्यालय में कक्षा 10 में अध्ययनरत गौरी शार्दुल भी शामिल थी। गौरी ने स्वयं बनाए गए स्कैच की फ्रेम मुख्यमंत्री को देकर उनका स्वागत किया।

पेंसिल से खींची गई तसवीर देखकर मुख्यमंत्री प्रभावित हुए, कारण कि गौरी प्रज्ञाचक्षु होने के बावजूद सुंदर चित्रकार्य कर सकती है। इसलिए मुख्यमंत्री ने जब इस छात्रा से बातचीत की, तब गौरी ने मुख्यमंत्री से कहा, 'सर, मुझे दो शब्द कहने हैं।'

मुख्यमंत्री छात्रा की भावना को तुरंत समझ गए। उन्होंने तत्काल एक माइक स्टेज पर मंगवाया और बच्ची को उसकी बात कहने के लिए दे दिया।

गौरी ने भी किसी प्रकार के भय या संकोच के बिना कहा, 'सुगम्य भारत अभियान के कारण दिव्यांगजनों के अनुकूल इमारतों, बस स्टैंड्स, रेलवे स्टेशनों का निर्माण किया जा रहा है। ऐसे बच्चों के लिए सरकार द्वारा ब्रेल लिपि की सुविधा से युक्त शिक्षा सहित सुविधाएँ की जा रही हैं, जिससे दिव्यांगजनों की राह आसान हुई है।' इस प्रकार गौरी ने बहुत ही सुंदर ढंग से अपनी बात प्रस्तुत की।

इस घटना से मुख्यमंत्री की सादगी तथा बच्चों के प्रति प्रेम का सबको फिर एक बार परिचय हुआ। साथ ही छात्रा की बात सुनकर भी सभी को आनंद हुआ। उनके साथ उर्मि स्कूल के श्री सरगम गुप्ता एवं श्री राधिका नायर भी सहभागी हुए।

### दुनिया की पहली एआई मंत्री, इस देश ने करप्शन रोकने का निकाला गजब जुगाड़!

अलबानिया ने दुनिया को चौंकाते हुए अपने पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मंत्री की घोषणा




कर दी है। इस मंत्री का नाम डिएला है और खास बात यह है कि यह कोई इंसान नहीं बल्कि पूरी तरह से कोड और पिक्सेल से बनी वर्चुअल मंत्री है। प्रधानमंत्री एडी रामा ने गुरुवार को तिराना में सोशलिस्ट पार्टी की विधानसभा में डिएला को पेश किया।

क्या है डिएला का काम?

डिएला का मुख्य कार्य सरकारी खरीद और सरकारी टेंडरों की निगरानी करना है।

## रतलाम में सीएम मोहन यादव का 'ऑन द स्पॉट' एक्शनः फरियादी की फरियाद सुनी, धोखेबाज को पकड़ने के दिए आदेश

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे जनता के दुख-दर्द को समझने वाले और त्वरित फैसले लेने वाले नेता हैं। रतलाम में एक जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक पीड़ित युवक की फरियाद सुनी और तत्काल कार्रवाई का आदेश देकर न केवल उसका भरोसा जीता, बल्कि उसे गले लगाकर भावनात्मक समर्थन भी दिया।

इस मामले में एक ऑटोमोबाइल कंपनी पर धोखाधड़ी का आरोप है, जिसने युवक को पुरानी गाड़ी बेचकर लाखों रुपये का चूना लगाया। सीएम के इस संवेदनशील और त्वरित एक्शन की तारीफ न केवल स्थानीय लोगों, बल्कि सोशल मीडिया पर भी हो रही है।

रतलाम में शुक्रवार को आयोजित एक जनसंवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जनता की समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान पूनम चंद, एक स्थानीय निवासी, अपनी शिकायत लेकर उनके पास पहुंचा। पूनम चंद ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि उसने एक ऑटोमोबाइल कंपनी से 8 लाख 32 हजार रुपये में फाइनेंस पर एक फोर-व्हीलर खरीदा था। उसने अब तक 9 लाख 86 हजार रुपये का भुगतान भी कर दिया, लेकिन कंपनी ने धोखे से उसे एक साल पुरानी गाड़ी की बॉडी बदलकर बेच दी। पूनम चंद ने कहा, "मेरे साथ बहुत बड़ा धोखा हुआ है। मैंने मेहनत की कमाई लगाई, लेकिन कंपनी ने मुझे ठग लिया।"

पूनम चंद की बात सुनकर सीएम डॉ. मोहन यादव भावुक हो गए। उन्होंने तुरंत वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों को बुलाया और सख्त लहजे में कहा, "जिसने भी यह फ्रॉड किया है, उसे तत्काल गिरफ्तार करें। धोखाधड़ी के इस मामले में धारा 420 (IPC) के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। दोषी को हवालात में डालें।"

## कनाडा में भोलेनाथ की सबसे ऊंची मूर्ति का उद्घाटन

(जीएनएस)।

कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में हिंदुओं के लिए गर्व का पल है। यहां के भवानी शंकर मंदिर में भगवान शिव की 54 फुट ऊंची प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। यह प्रतिमा न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सांस्कृतिक और विरासत के लिहाज से भी ब्रैम्पटन की पहचान को और मजबूत करेगी। यह उत्तरी अमेरिका में भगवान शिव की अपनी तरह की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

स्थानीय हिंदू समुदाय के सामूहिक प्रयास, चंदा, और अन्य दान समेत स्वयंसेवकों के योगदान से इसे तैयार किया गया। लगभग दो सालों की मेहनत के बाद प्रतिमा को बनाने के काम पूरा किया गया। उद्घाटन के मौके पर मंदिर हिन्दुओं द्वारा नेक्सस एवेन्यू से एक भव्य परेड भी निकाली गई,

## एनडीए मे किसे कितनी सीटें, उम्मीदवार कैसे तय होंगे? पटना पहुंचे भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने जमाई फील्डिंग

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की हलचल अब जमीन पर साफ नजर आने लगी है। शनिवार (13 सितंबर) को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पटना पहुंचे और उनके दौरे के साथ ही पूरे सियासी माहौल में एक नई सरगर्मी दिखी। एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत हुआ और फिर वे सीधे निजी कार्यक्रमों और चुनावी बैठकों में जुट गए। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि जेपी नड्डा का ये दौरा इतना अहम क्यों है।

नड्डा का पटना दौरा क्यों अहम?

जेपी नड्डा का यह बिहार दौरा महज एक औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि "मिशन 2025" की नींव रखने वाला कदम माना जा रहा है। वे यहां संगठन को धार देने, सीट बंटवारे की रणनीति तय करने और उम्मीदवारों की सूची पर चर्चा करने आए हैं। रविन्द्र भवन में उन्होंने "मोदी मित्र डिजिटल योद्धा अभियान" की



शुरूआत की। इसका मकसद है चुनावी संदेश को घर-घर तक पहुंचाना और सोशल मीडिया से लेकर जमीनी स्तर तक बीजेपी का माहौल बनाना।

नड्डा जैसे ही पटना पहुंचे, वैसे ही एक और मोर्चा गर्म हो गया। 8,000 से ज्यादा बर्खास्त संविदा कर्मचारियों ने बीजेपी ऑफिस के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। उनकी मांग है-"समान काम, समान वेतन और 60 साल तक नौकरी।" पिछले 29 दिनों से वे गर्दनीबाग में धरना दे रहे थे और शनिवार को उनका गुस्सा बीजेपी दफ्तर के बाहर फूट पड़ा।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा को प्रदर्शनकारियों ने घेर लिया, तो केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय को जाम के बीच गाड़ी से उतरकर पैदल ऑफिस जाना पड़ा। हालात को देखते हुए नड्डा की अहम चुनावी बैठक का स्थल बदलना पड़ा और अब यह स्टेट गेस्ट हाउस में हो रही है।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि NDA में सीटों का बंटवारा आखिर कैसे होगा।

### राजस्थान में मानसून ने लिया ब्रेक, अगले पांच दिन तापमान बढ़ेगा, महसूस होगा गर्मी का असर



राजस्थान में इस सीजन का मानसून शानदार रहा, लेकिन अब अगले पांच दिन बारिश से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी हवाओं के सक्रिय होने से तापमान बढ़ रहा है और कई शहरों में पारा 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुँच गया है।

बीते चौबीस घंटों में तापमान में एक से दो डिग्री तक वृद्धि हुई है। जयपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर और बीकानेर जैसे शहरों में दिन का पारा रिकॉर्ड स्तर पर है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ दिन उमस और गर्मी का असर महसूस होगा।

## सम्पादकीय

### राजनीति में अपराधियों का घालमेल

राजनीति से अपराधियों की सफाई ही लोकतंत्र को बचाने का सबसे बड़ा उपाय है। सवाल है कि क्या हमारे राजनीतिक दल और नेता इस सच्चाई को स्वीकार कर अपनी राजनीति को स्वच्छ बनाने का साहस दिखाएंगे, ऐसा तत्काल तो संभव नहीं दिख रहा है। ऐसे में राजनीति से अपराधीकरण को मुत्त करने की बात सिर्फ छलावा है। लोकतंत्र की शुचिता के लिए बढ़ता खतरा अपराधियों का राजनीतिकरण! एक ताजा रिपोर्ट ने भारतीय राजनीति की हकीकत को बेपर्दा कर दिया है। इस रिपोर्ट में बताया गया कि देश के 643 मंत्रियों में से 302 (47%) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इनमें से 174 मंत्री गंभीर अपराधों जैसे हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध में आरोपित हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में राजनीति के अपराधीकरण को रोकने की बात लंबे अरसे से हो रही है। चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट के तमाम प्रयासों के बावजूद देश की राजनीति में अपराधीकरण कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। हालांकि राजनीति में अपराधी तत्वों की घुसपैठ कोई नया मुद्दा नहीं है, लेकिन जिस पैमाने पर यह बढ़ा है, वह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स की ताजा रिपोर्ट इस सच्चाई को बयान करती है कि देश के लगभग आधे मंत्री ऐसे हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर मामले भी शामिल हैं। अब सवाल यह आता है कि जब कानून बनाने और उसे लागू कराने वाले ही दागी होंगे तो क्या वे सचमुच न्याय और निष्पक्ष शासन की रक्षा कर पाएंगे? एडीआर के एक विश्लेषण के अनुसार देश के लगभग 47 प्रतिशत मंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है, जिनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। यह रिपोर्ट केंद्र सरकार द्वारा उन तीन विधेयकों को संसद में पेश किए जाने के कुछ दिन बाद आई है, जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तारी के बाद 30 दिन तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। हाल ही में एडीआर ने 27 राज्य विधानसभाओं, तीन केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 643 मंत्रियों के हलफनामों का अध्ययन किया और पाया कि 302 मंत्रियों, यानी कुल मंत्रियों के 47 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन 302 मंत्रियों में से 174 पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण के अनुसार भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 यानी 40 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है और 88 यानी 26 प्रतिशत पर गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस शासित चार राज्यों में पाटा के 45 मंत्रियों यानी 74 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 18 यानी 30 प्रतिशत के खिलाफ गंभीर अपराध दर्ज हैं। द्रमुक के 31 मंत्रियों में से 27 यानी लगभग 87 प्रतिशत पर आपराधिक आरोप हैं, जबकि 14 यानी 45 प्रतिशत पर गंभीर मामले दर्ज हैं। तृणमूल कांग्रेस के भी 40 में से 13 मंत्रियों यानी 33 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 8 यानी 20 प्रतिशत पर गंभीर आरोप हैं। तेलुगु देशम पाटा (तेदेपा) का अनुपात सबसे ज्यादा है, जिसके 23 में से 22 मंत्रियों यानी 96 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं और 13 यानी 57 प्रतिशत पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। आप के 16 में से 11 यानी 69 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि पांच यानी 31 प्रतिशत पर गंभीर मामले दर्ज हैं। राष्ट्रीय स्तर पर 72 केंद्रीय मंत्रियों में से 29 यानी 40 प्रतिशत ने अपने हलफनामों में आपराधिक मामले घोषित किए हैं। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुडुचेरी में 60 प्रतिशत से ज्यादा मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके विपरीत हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, नागालैंड और उत्तराखंड के मंत्रियों ने अपने खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं होने की सूचना दी है। देखा जाए तो सभी परटियों में दागी नेता है, जबकि देश के सभी दल अपराध मुक्त राजनीति की बात करते हैं।

आंकड़ों को देखने के बाद साफ है कि हिंदुस्तान की सियासत आज जिस रास्ते पर चल रही है वह भ्रष्टाचार और अपराध से लबालब है। आपको पता है चुनाव में बढ़ता धनबल, बाहुबल और अपराधा करण लोकतंत्र को अंदर ही अंदर खा रहा है। जब कानून के निमार्ता और रखवाले ही अपराध में सने होंगे तो उनसे वैसे उम्मीद की जा सकती है कि लोकतंत्र को स्वस्थ रख सवेंगे। पहले तो बिहार और उत्तर प्रदेश को ही आपराधिक राजनीति का गढ़ कहा जाता था, लेकिन पिछले दो-तीन दशकों से सभी राज्यों में ऐसी प्रवृत्ति के नेताओं की संख्या में इजाफा हुआ है। आज नेताओं का उद्देश्य चुनाव जीतकर देश सेवा करना नहीं, बल्कि सत्ता हासिल कर हुकूमत करना है। कालेजियम व्यवस्था के रहते हमारी न्यायपालिका को भी पूर्ण पवित्र नहीं कहा जा सकता है। राजनीति का अपराधीकरण केवल संसद और विधानसभाओं को ही प्रभावित नहीं करता, वरन समाज और लोकतंत्र की जड़ें खोखली कर देता है। लेकिन चिंता की बात यह है कि राजनीतिक पार्टियों के द्वारा चुनाव जीतने के लिए दागी उम्मीदवारों को टिकट देने में कोई परहेज नहीं किया जाता है। 'हमाम में सभी नंगे हैं' की तर्ज पर सभी राजनीतिक पार्टियों की गोद में ऐसे अनेक नेताओं की किलकारियां गूंजती हैं, जो अपराध में आवंठ डूबे हैं। चुनावों में अपराधीकरण बढ़ने का बड़ा कारण चुनावी व्यवस्था की खामियां हैं। चुनाव लड़ने के लिए अपार धन की जरूरत होती है, और यही धनबल राजनीति में अपराधियों के लिए रास्ता खोल देता है। अपराध से अर्जित धन चुनावी मैदान में खर्च होता है और उसके बदले सत्ता का संरक्षण अपराधियों को मिलता है। बाहुबल और धनबल के सहारे चुनाव जीतने वाले जनप्रतिनिधि जनता के प्रति कम और अपने अपराधी गिरोह के प्रति ज्यादा जवाबदेह हो जाते हैं। हालांकि इस दिशा में पिछले कुछ समय में सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग के तरफ से कई कदम उठाए गए हैं, इनके भी हाथ बंधे हुए हैं। शीर्ष न्यायालय बार-बार कह चुका है। चुका है कि गंभीर आपराधिक मामलों में फंसे व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए। लेकिन राजनीतिक दल वोट बैंक की मजबूरी में ऐसे उम्मीदवारों को टिकट देने से बाज नहीं आते हैं। राजनीति में अपराध को रोकने के लिए निर्वाचन आयोग को अधिक अधिकार दिए जाने चाहिए ताकि वह ऐसे उम्मीदवारों को चुनाव मैदान से बाहर कर सके। साथ ही चुनावी खर्च की सीमा का कड़ाई से पालन और पारदर्शा फंडिंग व्यवस्था भी जरूरी है। कानून से ज्यादा जरूरी है राजनीतिक दलों का आत्मसंयम और नैतिकता। यदि दल अपराधियों को टिकट न दें तो यह समस्या स्वतः कम हो जाएगी। लेकिन आज की राजनीति में सत्ता की लालसा इतनी प्रबल है कि दल अपराधियों को भी सिर-आंखों पर बिठाने से हिचकते नहीं। जब तक दल खुद यह संकल्प नहीं लेंगे कि वे स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवारों को ही आगे बढ़ाएंगे, तब तक लोकतंत्र में शुचिता की उम्मीद करना व्यर्थ है। भारत का लोकतंत्र विश्व के लिए आदर्श माना जाता है, लेकिन यह तभी टिकेगा जब इसकी जड़ें मजबूत हों। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार लोकतंत्र की नींव को खोखला कर रहे हैं। यदि आज ठोस कदम नहीं उठाए गए तो कल जनता का भरोसा इस व्यवस्था से पूरी तरह उठ जाएगा। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है, बल्कि यह जनता के प्रति जवाबदेही, पारदर्शिता और नैतिकता का प्रतीक है। राजनीति से अपराधियों की सफाई ही लोकतंत्र को बचाने का सबसे बड़ा उपाय है। सवाल है कि क्या हमारे राजनीतिक दल और नेता इस सच्चाई को स्वीकार कर अपनी राजनीति को स्वच्छ बनाने का साहस दिखाएंगे, ऐसा तत्काल तो संभव नहीं दिख रहा है। ऐसे में राजनीति से अपराधीकरण को मुत्त करने की बात सिर्फ छलावा है।

# रूस पर प्रतिबंध लगाने और चीन पर 50-100% टैरिफ लगाने के लिए ट्रम्प ने चली चाल! नाटो पर अब बनाया दबाव

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो देशों से रूसी तेल खरीदना बंद करने का आग्रह किया है। उन्होंने रूस पर मॉस्को की पकड़ तोड़ने के लिए चीन पर 50-100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रस्ताव भी दिया। ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि इन प्रस्तावों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो अमेरिकी संसाधनों की बबार्दी होगी।

शनिवार को ट्रंप ने नाटो देशों पर रूस से तेल खरीद बंद करने और उस पर प्रतिबंध लगाने का दबाव डाला। उन्होंने यूक्रेन युद्ध समाप्त होने तक चीन पर 50-100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का सुझाव दिया।

ट्रंप की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसमें भारतीय तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल था, लेकिन चीन के खिलाफ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

नाटो सदस्यों और "दुनिया" को संबोधित एक पत्र में, ट्रंप ने लिखा, "मैं रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हूँ, जब सभी नाटो राष्ट्र सहमत हों और ऐसा करना शुरू करें, और जब सभी नाटो राष्ट्र रूस से तेल खरीदना बंद कर दें। जैसा कि आप जानते हैं, जीतने के लिए नाटो की प्रतिबद्धता 100 प्रतिशत से बहुत कम रही है, और कुछ लोगों द्वारा रूसी तेल की खरीद चौंकाने वाली है! यह रूस पर आपकी बातचीत की स्थिति और मोलभाव की शक्ति को बहुत कमजोर करता है।"

ट्रंप ने गठबंधन से सामूहिक रूप से कार्य करने का आग्रह किया और कहा कि नाटो सदस्य प्रतिबंधों पर सहमत होते ही वे "जाने" के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, "वैसे भी, जब आप तैयार हों, मैं जाने के लिए तैयार हूँ। बस बताइए कब?" अमेरिकी



राष्ट्रपति ने यह भी प्रस्ताव दिया कि नाटो मॉस्को पर चीन के प्रभाव को कमजोर करने के लिए चीन पर भारी टैरिफ लगाए।

उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि यह, साथ ही नाटो द्वारा एक समूह के रूप में चीन पर 50% से 100% टैरिफ लगाना, जिसे रूस और यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त होने के बाद पूरी तरह से वापस ले लिया जाएगा, इस घातक, लेकिन बेतुके युद्ध को समाप्त करने में भी बहुत मदद करेगा। चीन का रूस पर एक मजबूत नियंत्रण और यहाँ तक कि पकड़ भी है, और ये शक्तिशाली टैरिफ उस पकड़ को तोड़ देंगे।"

अमेरिकी टैरिफ की धमकियों के बीच चीन ने रूस के साथ अपने ऊर्जा व्यापार का बचाव किया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने ब्लूमबर्ग न्यूज को एक ब्रीफिंग में कहा, "चीन के लिए दुनिया भर के सभी देशों, जिसमें रूस भी शामिल है, के साथ सामान्य आर्थिक, व्यापार और ऊर्जा सहयोग करना वैध और कानूनी है। हम अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार उचित ऊर्जा सुरक्षा उपाय अपनाना जारी रखेंगे।"

ट्रंप ने नाटो को चेतावनी दी कि उनके प्रस्तावों पर कार्रवाई करने में विफल रहने से अमेरिकी संसाधनों की बबार्दी होगी। उन्होंने कहा, "अगर नाटो ऐसा करता है, जैसा मैं कहता हूँ, तो युद्ध जल्दी समाप्त हो जाएगा, और उन सभी जानें बच जाएँगी! यदि नहीं, तो आप मेरा समय, और संयुक्त राज्य अमेरिका का समय, ऊर्जा और धन बर्बाद कर रहे हैं।"

एक दिन पहले, शुक्रवार को ब्रिटेन ने रूस से संबंधित प्रतिबंधों का एक नया पैकेज लॉन्च किया था, जिसमें रूसी तेल ले जाने वाले जहाजों, साथ ही रूसी हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन और विस्फोटकों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों को लक्षित किया गया था।

यह आ'ान तब आया है जब ट्रंप ने नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल के निरंतर आयात को लेकर भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। उन्होंने रूसी कच्चे तेल खरीदने वाले देशों, जिसमें शीर्ष खरीदार चीन और भारत भी शामिल हैं, पर द्वितीयक प्रतिबंधों की धमकी भी दी है, यदि युद्ध समाप्त करने की दिशा में कोई प्रगति नहीं होती है।

# क्या रद्द होगा वक्फ संशोधन अधिनियम? सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनाएगा बड़ा फैसला

सुप्रीम कोर्ट सोमवार (15 सितंबर 2025) को वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर अपना बहुप्रतीक्षित फैसला सुनाने जा रहा है। यह फैसला इस बात पर होगा कि क्या इस नए कानून को अंतरिम रूप से निलंबित किया जाए या नहीं।

गौरतलब है कि अदालत ने इस मामले में मई महीने में तीन दिन तक सुनवाई के बाद 22 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। कुल 21 याचिकाओं के जरिए इस कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है।

6 जून 2025 को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर सभी वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण यूएमईईडी नामक डिजिटल पोर्टल पर छह महीने के भीतर कराने का आदेश दिया। इसका विरोध करते हुए याचिकाकताओं ने तर्क दिया कि इससे समुदाय पर अनावश्यक बोझ पड़ेगा।

22 अगस्त को सुनवाई के दौरान जब याचिकाकताओं ने इस अधिसूचना पर रोक लगाने की मांग की, तो चीफ जस्टिस भुषण आर. गवई और जस्टिस ए.जी. मसीह की पीठ ने साफ कहा कि चूंकि फैसला पहले से सुरक्षित है, इसलिए अब अंतरिम आदेश नहीं दिया जा सकता।

याचिकाकताओं के ने क्या दिए तर्क?

वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने अदालत में दलील दी कि 1954 से लेकर 2025 तक राज्य सरकारों और केंद्र का दायित्व था कि वक्फ संपत्तियों का सर्वेक्षण और पहचान की जाए। लेकिन सरकार की इस असफलता का खामियाजा अब समुदाय को भुगतना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि यह कानून संविधान के अनुच्छेद 26 का उल्लंघन करता है, जिसमें अल्पसंख्यकों को अपनी संपत्तियों का प्रबंधन करने का अधिकार है। अन्य याचिकाकताओं ने यह भी आपत्ति जताई कि नए कानून में वक्फ की स्थापना केवल ऐसे व्यक्ति द्वारा की जा सकती है जो कम से कम पांच साल से मुसलमान हो। उनका कहना था कि अन्य धर्मों की धार्मिक संपत्तियों के लिए ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है।

केंद्र सरकार ने क्या कहा?

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कानून का बचाव करते हुए कहा कि 2013 के संशोधन में किसी भी व्यक्ति को वक्फ घोषित करने का अधिकार देना एक अवधारणात्मक गलती थी। उन्होंने सवाल किया कि "वक्फ, जो पूरी तरह से इस्लामिक अवधारणा है, उसे गैर-मुस्लिम कैसे घोषित कर सकते हैं?"

इसके अलावा, उन्होंने अनुसूचित जनजातियों की जमीन पर वक्फ बनाने पर प्रतिबंध का बचाव करते हुए कहा कि यह उनकी सांस्कृतिक पहचान और अधिकारों की रक्षा के लिए है। हालांकि, पीठ ने इस तर्क पर सवाल उठाते हुए कहा कि धर्म एक है, परंपराएं अलग हो सकती हैं।

अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा था कि वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की परंपरा सौ साल से अधिक पुरानी है। 1923 के मुसलमान वक्फ अधिनियम से लेकर 1954 और उसके बाद के कानूनों तक, संपत्तियों की सूची और पंजीकरण को हमेशा महत्वपूर्ण माना गया है। सोमवार को आने वाला यह फैसला न केवल वक्फ अधिनियम 2025 के भविष्य का निर्धारण करेगा बल्कि देशभर में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और पारदर्शिता के मुद्दे पर भी दूरगामी प्रभाव डालेगा।

# 'उत्कृष्ट अभिव्यक्ति का माध्यम हिन्दी'

भाषा की सर्वोत्तम उत्कृष्टता को प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम है हिन्दी। हिन्दी की सहजता, सरलता, सरसता अद्वितीय है। प्रत्येक भाषा अपने आप में निपुण है, परंतु शब्दों की सुंदरता से आलोकित एवं सुशोभित हिन्दी भाषा अप्रतिम है। यह सत्य है कि भाषा विहीन व्यक्ति कभी भी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर नहीं हो सकता। भाषा ही हमारी उन्नति को पल्लवित, पुष्पित एवं चहुं ओर हमारे विकास को प्रसारित करती है। हिन्दी में विचारों के प्रवाह का अद्वितीय सौंदर्य विद्यमान है।

भाषा की अस्मिता का गौरव गुणगान है हिन्दी।

वेदनाओं एवं भावनाओं की यथार्थ अभिव्यक्ति है हिन्दी।

समस्त भाषाओं को कदमताल देती उन्नत स्वरूप है हिन्दी।

सूक्ष्म, अमूर्त और जटिल अनुभवों का सहज सम्प्रेषण है हिन्दी।

अंग्रेजी हमने सहर्ष नहीं अपनाई थी, वह तो अंग्रेजो द्वारा हम पर थोपी गई थी। आज भी हम उसी जंजीर के गुलाम बने हुए है। भाषा की गुलामी की जंजीरों और बेड़ियों को तोड़कर हमें एकमत होना होगा। हिन्दी की अनुभूति कितनी अनुपम है यह उसमें निहित शब्दों का चयन प्रदर्शित करता है। हिन्दी तो वह है जो नैतिकता को सहेजती है। निर्मल गंगा सा भाव एवं प्रवाह उत्पन्न करती है। साहित्य को शिरोधार्य बनाती है। कवियों की ललकार और भाषा की बयार से उन्नति के सोपान को छूती है। भारत माता के प्रति अतुलनीय प्यार के अनुपम स्वर में व्याप्त है हिन्दी। हिन्दी भाषा का अनोखा दर्पण है। हिन्दी में भावों को मुख से मन तक समर्पित करने की उत्कृष्टता है।

भाषा की धुरी पर स्वाभिमान का आविर्भाव है हिन्दी। जब भी साहित्य का सृजन किया जाता है तो हर पात्र को जीवंत बनाकर पाठक के समक्ष प्रस्तुत करती है हिन्दी। नए भारत में उन्नति और उत्थान के भाव को संवाहित करने का सामर्थ्य हिन्दी में ही है। यदि भाषा की होली के उत्सव को हिन्दी से सजाया जाए, औजपूर्ण हिन्दी के माधुर्य को मुख पर गुनगुनाया जाए, अलंकारों के रंगों से अभिव्यक्ति को नित-नवीन बनाया जाए और हिन्दी के प्रयोग से काव्य रचना के स्वर से हृदय को आलोकित किया जाए तो मन रूपी हृदय में उन्नति, उत्साह और उमंग के रंग को बिखरने का अनुपम सौन्दर्य हिन्दी में ही है। राष्ट्र की उन्नति में माँ की ममता के आशीर्वाद का रूप हिन्दी प्रकट करती है।

जीवन की समग्रता का अंकन है हिन्दी।

सांकेतिकता, प्रतिकात्मकता का उत्कृष्ट आयाम है हिन्दी।

मानवीय भावों का यथार्थ चित्रण है हिन्दी।

अभिनव मूल्यों के उद्घाटन की चेतना है हिन्दी।

वर्तमान समय में अंग्रेजी ही आधुनिकता का आधार मानी जा रही है। भावी पीढ़ी की दृष्टि में हिन्दी का महत्व न्यून है। कितनी बड़ी विडम्बना है इस देश और समाज की कि हम अपने पूर्वजों की धरोहर जो हमें अनायास और सहजता से मिली है उसे ठुकरा रहे है और अंग्रेजों द्वारा परोसी गई भाषा को ग्रहण कर उसका उन्नयन कर रहे है। भाषा हमारी संस्कृति की अस्मिता और धरोहर है। यह केवल संवाद का माध्यम ही नहीं अपितु विचारों, भावनाओं एवं संवेदनाओं का उद्वेग है। उन्नति के सोपान की ओर कदम बढ़ाते वक्त अंग्रेजी को भी सीखना चाहिए, परंतु हिन्दी के प्रति अपने प्रेम को भी जीवंत एवं निष्ठावान रखना होगा। भाषा के विभिन्न स्वरूपों में अंग्रेजी भी ज्ञान का ही एक रूप है, परंतु मातृ भाषा की कीमत पर हिन्दी को तुच्छ समझकर अंग्रेजी को आत्मसात करना उचित नहीं है। उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम में प्रेम एवं स्नेह का सरल रूप हैं हिन्दी। हिन्दी अवधि, ब्रज, भोजपुरी इत्यादि सभी भाषाओं को समन्वय प्रदान करती है।

आज हमारे संस्कारों में अंग्रेजी घुल रही है। आज का युवा वर्ग अंग्रेजी में धारा प्रवाह होना ही अपनी उच्चता का मानक मान रहा है। वह मनोभावों की भाषा समझने में असमर्थ है। अंग्रेजी बोलना समाज में प्रतिष्ठा का प्रतीक बनती जा रही है। समाज में उन्नति के मापदंड हेतु अंग्रेजी बोलना चयनित किया जा रहा है। मातृ भाषा भारत वासियों के बीच हीनता का अनुभव कर रही है। यह हमारी भाषा की अस्मिता पर प्रश्न चिन्ह है। भाषा की दुर्बलता राष्ट्र की अभिव्यक्ति में न्यूनता को प्रदर्शित करती है। वह राष्ट्र की पहचान को क्षीण करती है। वैश्विक युग में सफलता के शीर्ष पर पहुँचते वक्त प्रत्येक भाषा को अपनाना होगा, पर हिन्दी के प्रति प्रेम में कृपणता परिलक्षित न करें। हिन्दी हमारी सांस्कृतिक धरोहर का अद्वितीय संकलन है हमें इसे सहेजना होगा। आत्मविश्वास से एवं पूर्ण निष्ठावान होकर इसे आत्मसात करना होगा। यह आत्मा के स्वरों का बोध है। हिन्दी सांस्कृतिक स्वरूप का एक ओजस रूप है। हिन्दी तो सर्वगुण सम्पन्न भाषा का दर्पण है। यह भाषा राष्ट्र के प्रति समर्पण है। एक स्वर और एक नाद से हम भारत वासियों को हिन्दी भाषा में अभिव्यक्ति को स्वीकारना चाहिए।

कथ्य के अनुरूप रचना संकलन को पहचान देती है हिन्दी।

पात्रो-चरित्रों के उद्घाटन का सजीव रूप है हिन्दी।

संवाद एवं प्रसंगानुकूल रोचकता की जनक है हिन्दी।

डॉ. रीना कहती, भाषा के सौन्दर्य की अनुपम छटा बिखेरती है हिन्दी।

डॉ. रीना रवि मालपानी (कवयित्री एवं लेखिका)

प्रेषकः डॉ. रीना रवि मालपानी

9039551172

# अरशद वारसी और अक्षय कुमार ने दोस्तों में करवाई लड़ाई, नीलम ने उगला जहर?

(जीएनएस)।

'बिग बॉस 19' दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है। इसके हर एपिसोड में कुछ नया देखने को मिल रहा है, और प्रोमो वीडियो ने तो फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। हाल ही में, शो में 'जॉली एलएलबी 3' की टीम ने कोर्ट रूम ड्रामा पेश किया, जिसमें घर के सदस्यों को कठघरे में खड़ा किया गया।

कलर्स की तरफ से एक प्रोमो शेयर किया गया। जिसमें अरशद और अक्षय एक खेल खेलते हैं। तान्या मित्तल और कुनिका सदानंद कठघरे में थीं, जबकि नीलम गिरी उनके बीच खड़ी होकर सवालों के जवाब दे रही थीं। इस दौरान अक्षय कुमार ने नीलम से पूछा कि तान्या और कुनिका में से कौन ज्यादा दोषी है और किसे पीठ पीछे बात करने की आदत है। इस पर नीलम ने तान्या का नाम लिया।

हीं'ल्लर्ि' श्१ वस्र्ंइी

जब अक्षय ने तान्या से उनके जवाब के बारे में पूछा, तो तान्या ने कहा, "मैं जाती थी तो दोस्ती का फायदा उठाते हुए ये कह सकती थी कि मैं नाराज हो जाऊंगी अगर तू उनके पास गई तो।" नीलम गिरी ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, "मुझे कल ऐसा लगा है तान्या मित्तल को लेकर कि ये मुझे धोखा दे सकती हैं।"

कोर्ट रूम ड्रामा में अक्षय कुमार ने नीलम से यह भी पूछा कि क्या तान्या उन्हें पीठ में छुरा घोंप सकती हैं, जिस पर नीलम ने 'हां' में जवाब दिया। इसके बाद, जब उनसे पूछा गया कि कौन अपनी बात से अक्सर पलट जाता है, तो नीलम गिरी ने कहा, "मुझे ऐसा लगता है ना सर कि मैम को कई बार खुद भी याद नहीं रहता कि उन्होंने क्या-क्या बोला है?" नीलम की बातें सुनकर अक्षय कुमार ने मजाकिया अंदाज में कहा कि ऐसा क्यों लग रहा है कि वह बच-बचाकर जवाब दे रही हैं। उन्होंने पूछा, "डर लगता है क्या आपको उनसे, सपने में आएंगी वो आपके, नागिन बनकर डस लेंगी।" रिपोर्ट्स की माने तो इस हफ्ते नतालिया घर से बेघर हो रही हैं।

# एशिया कप की ट्रॉफी सिर्फ इंडिया की होगी', पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले बॉलीवुड एक्टर ने जीता दिल

(जीएनएस)।

: भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर यानी रविवार को बड़ा मुकाबला खेला जाना है। बॉलीवुड एक्टर जायेद खान ने एशिया कप 2025 में होने वाले मैचों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने टीम इंडिया की फॉर्म को देखते हुए दावा किया है कि इस बार खिताब कोई और टीम नहीं, बल्कि भारत ही जीतेगा।

जायेद खान ने टीम इंडिया को लेकर क्या कहा

जायेद खान ने मीडिया से

बातचीत में कहा कि इंडिया एक जबरदस्त टीम है और मुझे पूरा यकीन है कि यह टूनार्मेंट भारत ही जीतेगा। इंडिया सबको मैदान से बाहर कर देगा। टीम इंडिया ने अपने अभियान की शुरूआत शानदार अंदाज में की है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को केवल 9 विकेट से हराकर धमाकेदार जीत दर्ज की। भारत एशिया कप में खिताब का सबसे बड़ा दावेदार है।

राजनीतिक तनाव पर पूछा गया सवाल

जायेद खान से जब भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर राजनीतिक तनाव पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि खेल को खेल की तरह देखना चाहिए। उनके मुताबिक स्पोर्ट्स तो स्पोर्ट्स है। इसमें राजनीति की जरूरत नहीं है। अगर इससे दोनों देशों के बीच थोड़े बहुत रिश्ते बेहतर हो सकते हैं तो इसमें बुराई नहीं है।

कोटक ने तैयारियों को लेकर कही यह बात

गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच हमेशा की तरह हाई-वोल्टेज होने वाला है। टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी खिलाड़ियों की तैयारी को लेकर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम का पूरा ध्यान केवल क्रिकेट पर है और खिलाड़ी मैदान में केवल जीत हासिल करने की सोच के साथ उतरेंगे।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

# अपर महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे द्वारा साबरमती स्टेशन एवं इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो साबरमती का निरीक्षण

पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार ने 13 सितम्बर 2025 को अहमदाबाद मंडल के साबरमती रेलवे स्टेशन तथा इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो (कउऊ) साबरमती का व्यापक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान श्री प्रदीप कुमार ने साबरमती स्टेशन पर पुनर्विकास कार्यों के तहत नवनिर्मित यात्री सुविधाओं जैसे कि कोनकोर्स हॉल, वेटिंग एरिया, टिकट बुकिंग विंडो, यात्रियों के लिए अलग-अलग एंट्री और एग्जिट पथ, लिफ्ट तथा स्टेशन पर उपलब्ध अन्य सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने सभी प्लेटफार्मों पर जाकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा निर्माणाधीन फुट ओवर ब्रिज, एस्केलेटर्स, कवर शेड आदि विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

इस अवसर पर उप मुख्य परियोजना प्रबंधक (अहमदाबाद) श्री अनंत कुमार ने साबरमती स्टेशन पर जारी पुनर्विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी अपर महाप्रबंधक को दी तथा इस परियोजना की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

अपर महाप्रबंधक ने साबरमती स्थित इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो (कउऊ) का भी निरीक्षण किया, जहां उन्होंने कोचों के रखरखाव एवं परिचालन संबंधी प्रक्रियाओं का मूल्यांकन किया। विशेष रूप से उन्होंने वंदे भारत ट्रेनसेट के लिए विकसित किए जा रहे मेंटेनेंस डिपो की कार्य प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्री सेवाओं के उन्नयन, बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिक तकनीकों के प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में लगातार विभिन्न ठोस कदम उठाए जा रहे है। यात्रियों को अधिकतम सुविधा एवं विश्वस्तरीय सेवाएं प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है।

इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक साथ मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती मंजू मीणा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

# एमाजान इंजीनियर ने किया फिलिस्तीन का समर्थन, कंपनी का एक्शन बना ग्लोबल चर्चा का मुद्दा

(जीएनएस)।

ई-कॉमर्स कंपनी Amazo»»f ने फिलिस्तीनी सॉफ्टवेयर इंजीनियर अहमद शाहरूर को सस्पेंड कर दिया है। इसकी वजह उनके द्वारा इजराइली सरकार और Amazon के बीच हुए समझौते Project Nimbus का विरोध बताया जा रहा है।

शाहरूर का कहना है कि यह प्रोजेक्ट इजराइल को एआई और डेटा सेंटर जैसी सुविधाएं देता है, जिससे फिलिस्तीनियों पर निगरानी और दमन आसान हो जाता है। वहीं, Amazon ने आरोप लगाया कि शाहरूर ने कंपनी की नीतियों का उल्लंघन किया है। यह मामला न सिर्फ टेक कंपनियों की नीतियों बल्कि फिलिस्तीनी कर्मचारियों की आवाज दबाए जाने पर भी गंभीर सवाल खड़ा करता है।

क्यों किया गया अहमद शाहरूर को सस्पेंड?

अहमद शाहरूर पिछले तीन सालों से Amazon की Whole Foods डिवीजन में सिएटल ऑफिस से काम कर रहे थे। उन्होंने Slack चैनलों और एक ओपन लेटर के जरिए Project Nimbus का विरोध किया था। शाहरूर का आरोप है कि यह प्रोजेक्ट इजराइल को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा सेंटर जैसी आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराता है, जिसका इस्तेमाल फिलिस्तीनी लोगों पर नियंत्रण और निगरानी के लिए किया जा सकता है। विरोध के तुरंत बाद Amazon ने उन्हें नोटिस भेजा और सस्पेंड कर दिया।

प्रोजेक्ट निम्बस और विवाद

Project Nimbus 2021 में Google और Amazon की साझेदारी में शुरू हुआ था। इसका मकसद इजराइली सरकार को उन्नत तकनीकी सेवाएं देना है। लेकिन मानवाधिकार संगठनों और कर्मचारियों का मानना है कि इस प्रोजेक्ट से फिलिस्तीनियों के खिलाफ सैन्य और निगरानी गतिविधियों को और बढ़ावा मिलेगा। अहमद शाहरूर और अन्य कर्मचारियों का कहना है कि इस तरह की डील टेक कंपनियों की नैतिक जिम्मेदारी पर सवाल खड़ा करती है।

फिलिस्तीनी कर्मचारियों की मुश्किलें

शाहरूर ने कहा कि Amazon लगातार फिलिस्तीनियों की आवाज दबाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी कर्मचारियों को स्वतंत्र रूप से राय रखने से रोक रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया कि फ्रांस में भी एक कर्मचारी को सोशल मीडिया पर इजराइल की आलोचना करने के चलते नौकरी से निकाला गया। शाहरूर के अनुसार यह सिर्फ उनकी नौकरी नहीं बल्कि फिलिस्तीनी पहचान और अधिकारों को दबाने की कोशिश है।

टेक कंपनियों में बढ़ते विरोध की लहर

Amazon ही नहीं, Microsoft में भी इसी तरह का मामला सामने आया था। कुछ समय पहले कंपनी ने चार कर्मचारियों को नौकरी से बाहर कर दिया था क्योंकि उन्होंने इजराइल को दी जा रही तकनीकी मदद का विरोध किया था। यह घटनाएं इस बात की ओर इशारा करती हैं कि बड़ी टेक कंपनियों में इजराइल से जुड़ी डील्स के खिलाफ कर्मचारियों की नाराजगी बढ़ रही है।

# अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस का सहरसा तक विस्तार

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 19483/19484 अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस को सहरसा तक विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

ट्रेन संख्या 19483 अहमदाबाद-सहरसा एक्सप्रेस अहमदाबाद से निर्धारित समय 00.35 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 22.55 बजे सहरसा पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 19484 सहरसा-अहमदाबाद एक्सप्रेस 14 सितंबर 2025 से सहरसा से 16.40 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 11.55 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

बरौनी से सहरसा के बीच यह ट्रेन बेगूसराय, खगड़िया, मानसी और सिमरी बख्तियारपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

अहमदाबाद से बरौनी के बीच इस ट्रेन के आगमन/प्रस्थान समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

ट्रेनों के ठहराव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

# 11 साल के लिव इन रिलेशन का ऐसा खौफनाक अंत

## हत्या की वजह जानकर चौंक जाएंगे

उत्तराखंड के हरिद्वार में एक व्यक्ति ने अपने लिव-इन पार्टनर की बेरहमी से हत्या कर दी। बाद में खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। दोनों 11 साल से लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। दोनों की आठ साल की एक बेटी भी है। हत्या की वजह सोशल मीडिया में सक्रियता और महिला का किसी ओर से संपर्क होने का शक बताया जा रहा है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला हरिद्वार रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के भभूतावाला बाग का है। जहां जिला अस्पताल के ड्राइवर ने अपनी लिव-इन पार्टनर की लोहे की रॉड से हमला कर हत्या कर दी।

आरोपी ने हत्या के बाद खुद को पुलिस के हवाले कर दिया।

आरोपी युवक मुकेश पुजारी पिछले करीब 11 साल से शिवलोक कॉलोनी में रहने वाली पिंकी के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। जो कि ब्यूटी पार्लर भी चलाती थी। दोनों की आठ साल की एक बेटी भी है। मुकेश की पहली शादी भी हो चुकी है और उसकी पहली पत्नी से दो जवान बेटे हैं, जो अलग रहते हैं।

महिला 11 साल पहले मुकेश के लिए अपने दो बच्चे और पति को छोड़कर आई थी। जिसके बाद से दोनों लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगी थीं। मुकेश ने अपनी लिव इन पार्टनर के लिए पास में ब्यूटी पॉर्लर भी खुलवाकर दिया। 11 साल तक सबकुछ सही चल रहा था,लेकिन अब पिंकी की सोशल मीडिया पर सक्रियता और रील बनाना मुकेश को पसंद नहीं थी।

शक और विवाद की वजह से दोनों के बीच मनमुटाव शुरू हुआ जिसका खौफनाक अंत हो गया। बताया जा रहा है कि घटना वाली रात करीब एक बजे मुकेश ने पिंकी को फोन कर बाहर बुलाया। दोनों के बीच कहासुनी हुई और बात बढ़ने लगी। बाद में मुकेश ने अपनी पार्टनर की बेरहमी से हत्या कर दी। बाद में मुकेश ने खुद को पुलिस के हवाले कर दिया।

# प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 की शुरूआत, जानिए कहां और कैसे करें आवेदन, क्या हैं पात्रता

(जीएनएस)।

शहर में सपनों का घर तलाश रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। देहरादून नगर निगम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत आवास निर्माण के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के तहत 2.75 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

इसमें किसी भी तरह का कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है। ऐसे में नगर निगम प्रशासन ने दलाली से बचने की अपील की है। आवासविहीन शहरी आबादी के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण योजना चलाई जा रही है। जिसके लिए नगर निगम ने आवेदन आमंत्रित किए हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 की शुरूआत सितंबर 2024 में की गई थी और यह अगले पांच वर्षों के लिए यह योजना प्रस्तावित है। इसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर, निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों को आवास निर्माण या खरीद में केंद्रीय सहायता प्रदान करना है।

योजना के तहत 2.25 लाख की सहायता केंद्र सरकार और 50 हजार रुपये राज्य सरकार की ओर से लाभार्थियों को दी जाती है। इस योजना के अंतर्गत खाली भूखंड पर मकान बनाने वाले या कच्चे मकानों में रह रहे परिवारों को प्राथमिकता दी जाती है। इस योजना के अंतर्गत विधवा, एकल महिला, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, ट्रांसजेंडर, अनुसूचित जाति/जनजाति, अल्पसंख्यक और सफाई कर्मियों जैसे वंचित वर्गों को प्राथमिकता दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह निशुल्क है योजना पारदर्शी और लाभार्थी केंद्रित है।

योजना में वही परिवार पात्र होंगे जिनमें पति-पत्नी और अविवाहित बेटे-बेटियां शामिल हैं और जिनके पास किसी भी राज्य या शहर में पक्का आवास नहीं है।

जिन्होंने पिछले 20 वर्षों में किसी अन्य आवासीय योजना का लाभ नहीं लिया हो, इसके अलावा, लाभार्थी को 01 सितंबर 2024 से पहले नगर निगम क्षेत्र का निवासी होना अनिवार्य है।

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए योजना के तहत बने मकान महिला मुखिया के नाम या पति-पत्नी के संयुक्त नाम पर होंगे।

आवश्यक दस्तावेज

आवेदक और परिवार के सभी सदस्यों का आधार विवरण

आवेदक का बैंक खाता विवरण (जो आधार से जुड़ा हो)

तीन लाख रुपये से कम आय का प्रमाण पत्र या स्व-घोषणा

भूमि संबंधी दस्तावेज (लाभार्थी आधारित निर्माण घटक के अंतर्गत)

स्व-घोषित शपथ पत्र

# 'अपने बायोडाटा में ये लिखिए', विश्वविद्यालय कुलपति के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में सुप्रीमकोर्ट का आया अहम फैसला

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल एनयूजेएस विश्वविद्यालय के कुलपति निर्मल कांति चक्रवर्ती के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। हालांकि, न्यायालय ये फैसला चुनाते हुए बड़ा आदेश भी दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि कुलपति के रिज्यूम में ये केस और आरोप लिखा जाए। इसका पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

पीड़िता ने 26 दिसंबर 2023 को औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी, जबकि यौन उत्पीड़न अप्रैल 2019 में हुआ था। स्थानीय शिकायत समिति (एलसीसी) ने शिकायत को समय-बाधित मानते हुए खारिज कर दिया था, क्योंकि शिकायतकर्ता ने तीन महीने की निर्धारित सीमा और छह महीने की विस्तारित सीमा दोनों का उल्लंघन किया था।

पीड़िता के अनुसार, कुलपति चक्रवर्ती ने जुलाई 2019 में विश्वविद्यालय में कार्यभार संभाला। दो महीने बाद, 8 सितंबर को, उन्होंने पीड़िता को अपने कार्यालय में बुलाया और डिनर के लिए अनुरोध किया। उन्होंने महिला के हाथ को छुआ, और डिनर के प्रस्ताव के बारे में पूछा। पीड़िता ने स्पष्ट रूप से मना कर दिया और कहा कि वह केवल पेशेवर संबंध बनाए रखना चाहती है। इसके बाद, कुलपति ने कथित तौर पर यौन संबंध बनाने की मांग की और उसे धमकी दी।

जिससे वह असहज महसूस कर रही थी। इसके बाद महिला चुपचाप वहां से चली गई।

अक्टूबर 2019 में, कुलपति ने उसे दोबारा अपने कार्यालय में बुलाया और डिनर के प्रस्ताव के बारे में पूछा। पीड़िता ने स्पष्ट रूप से मना कर दिया और कहा कि वह केवल पेशेवर संबंध बनाए रखना चाहती है। इसके बाद, कुलपति ने कथित तौर पर यौन संबंध बनाने की मांग की और उसे धमकी दी।

अक्टूबर 2019 में, पीड़िता की पदोन्नति रोक दी गई, जिसे अंततः 2 अप्रैल 2022 को कार्यकारी परिषद ने मंजूरी दी। अप्रैल 2023 में, कुलपति ने पीड़िता को एक रिसॉर्ट में आने को कहा, जिसे उसने अस्वीकार कर दिया। इसके बाद, उसे करियर बर्बाद करने की धमकी दी गई।

29 अगस्त 2023 को, सेंटर ऑफ फाइनेंशियल, रेगुलेटरी एंड गवर्नेंस स्टडीज (CFRGS) से महिला को निदेशक पद से हटा दिया गया। उसी समय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) और नेशनल फाउंडेशन ऑफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस (NFCG) से प्राप्त अनुदान के दुरुपयोग के मामले में पीड़िता के खिलाफ जांच शुरू की गई। कार्यकारी परिषद ने एनयूजेएस को 1 लाख रुपये तुरंत वापस करने का आदेश दिया। पीड़िता ने ई-मेल के माध्यम से कार्यकारी परिषद और कुलपति से उत्पीड़न और बदले की शिकायत की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निदेशक पद से हटाना यौन उत्पीड़न नहीं माना जाएगा, क्योंकि यह एनएफसीजी की स्वतंत्र रिपोर्ट पर आधारित था। इस कार्रवाई को पिछली कथित घटनाओं से जोड़ा नहीं जाएगा।

# सीएम मोहन यादव के हॉट एयर बैलून में लगी आग? इस पूरी घटना पर कलेक्टर ने बता दी पूरी सच्चाई

(जीएनएस)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार सुबह गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट में एक बड़े हादसे से बच गए। जानकारी के अनुसार, वे हॉट एयर बैलून की सवारी करने पहुंचे थे। तेज हवा और अचानक लगी आग ने हालात तनावपूर्ण बना दिए।

गनीमत रही कि सुरक्षा गार्ड और स्टाफ ने तत्काल स्थिति को काबू में कर लिया और किसी प्रकार की अनहोनी नहीं हुई। मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।

सीएम मोहन यादव हिंगलाज रिसॉर्ट में रात बिताने के बाद सुबह हॉट एयर बैलून की सवारी करने पहुंचे। उस समय हवा की रफ्तार लगभग 20 किलोमीटर प्रति घंटा थी, जिसकी वजह से बैलून उड़ान नहीं भर सका। इसी दौरान बैलून के निचले हिस्से में अचानक आग लग गई। मौके पर मौजूद स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत आग बुझाई और ट्रॉली को संभाला, जिसमें मुख्यमंत्री मौजूद थे। एमपी के मुख्यमंत्री की सुरक्षा में चूक की खबरें भ्रामक। हॉट एयर बैलून में आग जलने को बताया सुरक्षा में चूक। मंदसौर कलेक्टर ने किया इंकार।

सुरक्षा कर्मियों की तत्परता से टला बड़ा हादसा

आग लगने के बाद स्थिति थोड़ी गंभीर हो गई थी, लेकिन स्टाफ की त्वरित कार्रवाई से सीएम समेत अन्य जनप्रतिनिधियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। राहत की बात यह रही कि बैलून उड़ान भरने से पहले ही आग लगी, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

मुख्यमंत्री ने बोटिंग और बाइक बोट का भी आनंद लिया

इससे पहले मुख्यमंत्री ने चंबल नदी की सैर की और बोटिंग का आनंद लिया। उनके साथ सांसद सुधीर गुप्ता, गरोठ विधायक चंदर सिसोदिया, कमिश्नर आशीष सिंह, आईजी उमेश जोगा, कलेक्टर अदिति गर्ग, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने बाइक बोट की सवारी भी की और पानी की लहरों पर उत्साहित नजर आए। उन्होंने कहा कि यह गतिविधियां पर्यटन को बढ़ावा देंगी और प्रदेश की प्राकृतिक धरोहरों को देखने का अवसर प्रदान करेंगी। मुख्यमंत्री ने सफारी जीप से एयर बैलून स्थल का रुख किया। रास्ते में उन्होंने टेंट सिटी का निरीक्षण किया और वहां की पर्यटन सुविधाओं की जानकारी ली।

प्रशासन ने क्या कहा?

अब इस पूरी घटना के बाद कलेक्टर अदिति गर्ग ने कहा कि एयर बैलून की पूरी प्रक्रिया में सुरक्षा के सभी मानकों का पालन किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री केवल एयर बैलून देखने पहुंचे थे और किसी प्रकार की सुरक्षा में चूक नहीं हुई।

यह पूरा घटनाक्रम उस समय हुआ जब मुख्यमंत्री प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट पहुंचे थे। तेज हवा और अचानक आग ने एक पल के लिए अफरा-तफरी मचा दी, लेकिन सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से स्थिति संभाल ली गई।

# पाकिस्तान के साथ मैच खेलने के पीछे क्या है मजबूरी? पूर्व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर का आया बड़ा बयान

(जीएनएस)।

एशिया कप 2025 में 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच को लेकर सियासत गरमा गई है। विपक्षी पार्टियां जहां इस मैच के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया है। पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाने के बाद कई पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने इस मैच के बहिष्कार की मांग कर रहे हैं।

सोशल ममीडिया पर भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी ने इस मैच का विरोध करते हुए सड़कों पर आंदोलन शुरू कर दिया है। आम आदमी पार्टी के मुखिया और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल समेत अन्य नेताओं ने इस मैच को लेकर सीधे पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। इतने विरोध के बावजूद आखिर ये मैच भारत के लिए खेलना क्यों जरूरी है? पूर्व खेल मंत्री और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने इसकी वजह बताई है।

पाकिस्तान के साथ मैच खेलने के पीछे क्या है मजबूरी?

अनुराग ठाकुर ने बताया कि एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) द्वारा आयोजित टूनार्मेंट में ऐसे मुकाबलों से बचा नहीं जा सकता। यदि कोई देश ऐसे टूनार्मेंट में खेलने से मना करता है, तो उसे प्रतियोगिता से बाहर होना पड़ सकता है या उसे अंक गंवाने पड़ सकते हैं।

अगर भारत नहीं खेलता पाक के साथ मैच तो क्या होगा?

अनुराग ठाकुर ने न्यूज एजेंसी अठक द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में बताया, "जब एसीसी या आईसीसी के टूनार्मेंट होते हैं, तो देशों के लिए खेलना अनिवार्य हो जाता है।

# पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले गंभीर का सख्त मैसेज, कोच ने बताई टीम मीटिंग के अंदर की बात

(जीएनएस)।

एशिया कप 2025 का सबसे बड़ा मुकाबला 14 सितंबर यानी रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच हर बार की तरह सिर्फ क्रिकेट का मुकाबला नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ा है। इस बार यह भिड़ंत और भी संवेदनशील हो गई है क्योंकि अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी। उसी घटना के बाद पहली बार भारत और पाकिस्तान किसी खेल में आमने-सामने आ रहे हैं।

फैंस और पूर्व खिलाड़ी इस मैच को लेकर बेहद नाराज हैं। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोग मैच के बहिष्कार की मांग कर रहे हैं। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह और केदार जाधव ने भी साफ शब्दों में कहा है कि इस हालात में पाकिस्तान के खिलाफ खेलना सही नहीं है। हालांकि बीसीसीआई ने सरकार के निर्देश पर फैसला लिया कि द्विपक्षीय सीरीज नहीं होगी, लेकिन बहु-देशीय टूनार्मेंटों में भारत को खेलना ही पड़ेगा।

भारत के असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशाटे ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि खिलाड़ी हालात को समझते हैं और वे मैदान पर अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखेंगे। उन्होंने कहा कि यह बहुत संवेदनशील मुद्दा है।

# लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का ऐलान, नई हिंदी फिल्म शुभ संगम की घोषणा

**फिल्म एक्टर राकेश बेदी ने कहा - फिल्मों को प्रोत्साहित कर रही है उत्तर प्रदेश सरकार**

लखनऊ 13 सितम्बर। नवाबों का शहर लखनऊ अब सिनेमा के रंग में रंगने जा रहा है। यहां आयूब खान द्वारा शुरू और आयोजित लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का ऐलान किया गया है। यह तीन दिन का फिल्म महोत्सव 2 से 4 दिसम्बर 2025 तक चलेगा, जिसमें फिल्मकारों, कलाकारों और दर्शकों को एक साथ लाकर कहानियों का जश्न मनाया जाएगा। इधर मशहूर फिल्म एक्टर राकेश बेदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार फिल्मों को जिस तरह से प्रोत्साहित कर रही है, उसके लिए वह बधाई के पात्र है। उन्होंने लखनऊ की हरियाली के साथ साथ खानपान और तहजीब की भी तारीफ की।

फेस्टिवल के फाउंडर, फिल्म प्रोड्यूसर, डायरेक्टर व डिस्ट्रीबूटर आयूब खान ने लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के बारे में कहा ह्यह्यलखनऊ एक शानदार शहर है और यहां सिनेमा को बेहद प्यार मिलता है। दिसम्बर के पहले हफ्ते में हम तीन दिन का यह फिल्म महोत्सव

आयोजित कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि राखेश बेदी, सोहम पी. शाह और फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बी.एन. तिवारी जैसे बड़े नाम इस खास मौके पर हमारे साथ हैं।" इसी मौके पर आयूब खान ने अपनी आने वाली हिंदी फीचर फिल्म शुभ संगम की भी घोषणा की।

फिल्म निर्देशक और जूरी सदस्य सोहम पी. शाह ने कहा ह्यह्यमाननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के उत्तर प्रदेश राज्य में, हम यह प्रतिष्ठित फेस्टिवल लखनऊ के सहारागंज स्थित पीवीआर सिनेमा में शुरू कर रहे हैं। इस फेस्टिवल का मकसद यहां के प्रतिभाशाली लेखक, निर्देशक और कलाकारों को प्रोत्साहित करना है। यह महोत्सव 2 से 4 दिसम्बर 2025 तक पीवीआर सिनेमा, सहारागंज, लखनऊ में होगा। और खास बात यह है कि आयूब खान जी की नई हिंदी फीचर फिल्म शुभ संगम की शूटिंग भी नवंबर 2025 से उत्तर प्रदेश में ही शुरू होगी।"

ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ फिल्म अभिनेता राखेश बेदी, जो फेस्टिवल में जूरी सदस्य भी होंगे और फिल्म शुभ संगम में भी अभिनय करेंगे, ने कहा ह्यह्यलखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लॉन्च और फिल्म शुभ संगम की घोषणा पर मैं आयूब खान और लखनऊ की जनता को बधाई देता हूं। मुझे खुशी है कि मैं इस फेस्टिवल में जूरी सदस्य होने के साथ-साथ फिल्म शुभ संगम में भी एक महत्वपूर्ण किरदार निभा रहा हूं।"

उन्होंने आयूब खान से अपने लंबे जुड़ाव को भी साझा किया। कह कि ह्यह्यआयूब खान साहब से मेरा रिश्ता कई साल पुराना है। मुंबई में भी मैं उनके द्वारा आयोजित सिनीड्रीम्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का दो साल से जूरी सदस्य रहा हूं। उनकी फिल्म बे-लगाम में भी मैंने अहम किरदार निभाया था। वे न सिर्फ एक प्रतिभाशाली लेखक और निर्देशक हैं बल्कि एक ईमानदार और अच्छे इंसान भी हैं। हमारे बीच की दोस्ती और रचनात्मक सफर मेरे लिए बहुत मायने रखता है।"

लखनऊ में लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और शुभ संगम दोनों की घोषणा के साथ ही शहर एक बड़े सांस्कृतिक उत्सव के लिए तैयार है, जहां सिनेमा, कला और रचनात्मकता का जश्न मनाया जाएगा।

# सेवा पखवाड़ा की तैयारी को लेकर भाजयुमो की बैठक संपन्न

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आयोजन में जुटा युवा मोर्चा**

(जीएनएस)।

सीतापुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा प्रतिवर्ष प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस (17 सितम्बर) से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के जन्मदिवस (2 अक्टूबर) तक ह्यसेवा पखवाड़ाह्न का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में आज भाजपा कार्यालय, सीतापुर में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता भाजयुमो जिलाध्यक्ष सचिन मिश्रा ने की। इस अवसर पर प्रवासी के रूप में क्षेत्रीय मंत्री शिवंजलि पाण्डेय तथा क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य सोमी शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। बैठक में भाजपा सीतापुर के महामंत्री विश्राम सागर राठौर भी मौजूद रहे।

जिला पदाधिकारी प्रतीक पाण्डेय ने बताया बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितम्बर को आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर की तैयारी करना रहा। इसमें शिविर को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं की जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया तथा अधिक से अधिक युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया।

बैठक में उपस्थित कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत होने वाले सभी कार्यक्रमों को जनभागीदारी से सफल बनाया जाएगा और समाज सेवा के कार्यों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया जाएगा।

बैठक में भाजयुमो जिला महामंत्री तरुण शुक्ला, अनूप विश्वकर्मा जिला उपाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, नमन वर्मा, जिला मंत्री वैभव सिंह व अन्य पदाधिकारियों में अंकुल तिवारी, अखिलेश शर्मा, राजा शुक्ला, वासुदेव पाण्डेय, ऋषभ पाण्डेय, आशु सिंह, कमलेन्द्र मिश्रा, सूर्य प्रताप सिंह, धर्मेंद्र यादव, मृत्युंजय, कन्हैया आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# गोवंश हत्या का सनसनीखेज मामला,मौके पर पहुंची विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल पुलिस प्रशासन अलर्ट, दोषियों की तलाश जारी

(जीएनएस)।

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जनपद में गोवंश की निर्मम हत्या का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सिधौली कोतवाली क्षेत्र के अटरिया थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे झाड़ियों से गोवंश का कटा हुआ सिर, खाल और अन्य अवशेष बरामद हुए हैं, जबकि उसका मांस गायब है। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और स्थानीय लोगों में जबरदस्त आक्रोश है।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना अटरिया थाना क्षेत्र के हल्का नंबर 1 में कांवण गांव के सामने, नेशनल हाईवे और रेलवे ट्रैक के बीच की झाड़ियों में हुई। माना जा रहा है कि अज्ञात गोतस्करों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाकर इस घटना को अंजाम दिया। वे गोवंश का गला काटकर उसका सिर और खाल वहीं छोड़कर मांस लेकर फरार हो गए।

पुलिस और प्रशासन का त्वरित एक्शन

सुबह जैसे ही इस निर्मम घटना की जानकारी मिली, पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही हल्का इंचार्ज विशंभर दयाल तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने तत्काल अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी। अटरिया थाना प्रभारी उमाकांत शुक्ला भी अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और सिधौली क्षेत्र अधिकारी

कपूर कुमार को घटना से अवगत कराया।

क्षेत्राधिकारी कपूर कुमार ने मामले की गंभीरता को समझते हुए गहनता से जांच के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस टीम को जल्द से जल्द दोषियों को पकड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

एडिशनल एसपी ने दिए सख्त निर्देश

इसी दौरान, थाना समाधान दिवस के लिए जा रहे सीतापुर के एडिशनल एसपी दुर्गेश कुमार सिंह ने मौके पर रुककर घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने इस घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए अटरिया एसओ को कई सख्त निर्देश दिए। एडिशनल एसपी ने एसओ को पिछले पाँच वर्षों में गोवंश से संबंधित मामलों के संदिग्धों की एक सूची तैयार करने और वर्तमान मामले की गहनता से जांच करने का आदेश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना से जुड़े सभी आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और उनकी जल्द से जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए।

फोरेंसिक टीम और बजरंग दल की भूमिका

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए, मौके पर फोरेंसिक टीम भी बुलाई गई। टीम ने घटनास्थल से नमूने (साक्ष्य) एकत्रित किए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है। इससे पुलिस को दोषियों तक पहुंचने में मदद मिलने की उम्मीद है।

सूचना पर पहुंचे बजरंग दल के पदाधिकारी

इस बीच, बजरंग दल के जिला सहसंयोजक अजय दीक्षित ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए अटरिया थाना प्रभारी को लिखित शिकायत (तहरीर) दी है। उन्होंने मांग की है कि दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। बजरंग दल के जिला मंत्री शिवम, प्रांत के अधिकारी बच्चे प्रसाद वाजपेयी और उपाध्यक्ष राम मोहन जन्मेजय ने भी इस घटना को हिंदू धर्म की भावनाओं को आहत करने वाला बताते हुए अपराधियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है।

इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है और अपराधियों की तलाश में जुट गया है। स्थानीय लोग भी पुलिस से जल्द से जल्द कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

# होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया

**सड़क सुरक्षा के प्रति सोच बदलने के लिए 2400 से अधिक स्कूल के छात्रों और स्टाफ मेंबर्स को जोड़ा गया**

आगरा : होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने अपनी सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान को आगरा में आयोजित किया, जिसमें राजा बलवंत सिंह मैनेजमेंट टेक्निकल कैंपस, पुष्पांजलि कॉलेज ऑफ नर्सिंग और अग्रवान हेरिटेज यूनिवर्सिटी के छात्रों ने भाग लिया। 2400 से अधिक छात्रों की भागीदारी के साथ, इस पहल का उद्देश्य संरचित प्रशिक्षण और इंटरैक्टिव लर्निंग के माध्यम से जिम्मेदार सड़क उपयोग की संस्कृति को मजबूत करना था।

कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि शुरूआती शिक्षा भविष्य के सवारों और नागरिकों को गढ़ने में अहम भूमिका निभाती है। छात्रों को सड़क सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं

से परिचित कराया गया, जिनमें सही तरीके से हेलमेट पहनना, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करना, पैदल यात्री अनुशासन और वास्तविक परिस्थितियों में जोखिम का अनुमान लगाना शामिल था। एचएमएसआईने प्रतिभागियों को यह संदेश दिया कि सुरक्षा केवल एक नियम नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है जो व्यक्ति और समाज दोनों की रक्षा करती है।

ऐसे अभियानों के माध्यम से एचएमएसआईआने-जाने की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक का समाधान कर रहा है युवाओं में सड़क पर जिम्मेदारी की सोच विकसित करना। इसका मकसद केवल जागरूकता फैलाना नहीं है, बल्कि लंबे समय तक व्यवहार में बदलाव लाना है, ताकि सही और समझदारी से लिए गए फैसले रोजमर्रा की आदत बन जाएँ। स्कूलों और कॉलेजों को शामिल करके एचएमएसआईयह सुनिश्चित करता है कि युवा अपनी आवाज के जरिए यह संदेश घरों और समुदायों तक पहुँचाएँ, जिससे इसका असर सीधे प्रतिभागियों से कहीं आगे तक फैल सके।

आगरा में यह पहल एचएमएसआईके व्यापक प्रयास का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा शिक्षा को समाज के विभिन्न स्तरों पर एकीकृत करना है। हर गतिविधि एचएमएसआईके लगातार चल रहे प्रयासों को मजबूत बनाती है, ताकि सुरक्षा शिक्षा सुलभ, सहज और प्रभावशाली बन सके और ऐसी पीढ़ी तैयार हो जो गतिशीलता में जिम्मेदारी को सबसे पहले रखे। ऐसी निरंतर पहलों से याद दिलाया जाता है कि सड़क पर सोच-समझकर किए गए कार्य सिर्फ स्वयं की सुरक्षा तक सीमित नहीं रहते, बल्कि आसपास सभी की सुरक्षा में योगदान करते हैं।

# विधायक अनिल कुमार वर्मा ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा

(जीएनएस)।

सीतापुर। विकास खण्ड बेहटा क्षेत्र में शारदा नदी के कटान से प्रभावित लखनीपुर गांव में शनिवार को क्षेत्रीय विधायक अनिल वर्मा ने दौरा किया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों की चिंताओं को समझा। विधायक ने मौके पर मौजूद सिंचाई विभाग के अधिकारियों से कटान रोकने के लिए किए जा रहे बचाव कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और गांव को कटान से सुरक्षित करने के लिए स्थाई समाधान लागू करने के निर्देश दिए। गांव की महिलाओं ने विधायक अनिल वर्मा के सामने अपनी परेशानियां रखीं, जिसमें नदी के कटान से घरों और खेतों को होने वाला नुकसान प्रमुख था। ग्रामीणों ने नदी के किनारे सुरक्षा के लिए मजबूत उपायों की मांग की।

विधायक अनिल वर्मा ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से कटान रोकने के कार्यों को तेज करने और गांव की निरंतर निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्थाई समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे ताकि भविष्य में कटान की समस्या से ग्रामीणों को निजात मिल सके। इस अवसर पर अतुल वर्मा, पइंद्रपाल चौधरी सदस्य जिला पंचायत, प्रहलाद कन्नौजिया प्रतिनिधि सदस्य जिला पंचायत, उरूज अहमद,शेख रिजवान अतीक, जावेद खान, जावेद नसीर, मो. आलम, ग्राम प्रधान नबी अहमद सहित कई अन्य ग्रामीण और स्थानीय नेता मौजूद रहे।

# शानो ओ शौकत से शुरू होगा दादा मियां का 118 वां उर्स मुबारक

**15 से 19 सितम्बर तक चलेगा उर्स**

**उर्स में हिन्दुस्तान के कई हिस्सों से आयेंगे अकीदतमंद**

**दादा मियां की दरगाह भाई चारगी और अमन ओ शान्ति का मरकज: सबाहत हसन शाह**

लखनऊ।हजरत ख्वाजा मोहम्मद नबी रजा शाह अलमारूफ दादा मियाँ र० अ० के 118वें सालाना उर्स का आगाज निहायत ही शानो ओ शौकत के साथ आज से आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। इस दरगाह की सबसे बड़ी बात ये है कि यहाँ दुनिया भर से हर मजहब और हर कौम के लोग बेशुमार तादात में अपनी अकीदत का इजहार करने के लिए इकटठा होते हैं और दादा मियों के फैजान और कमालात से मालामाल होते हैं।सज्जादा नशीन व मुतावल्ली हजरत ख्वाजा मोहम्मद सबाहत हसन शाह ने बताया कि दादा मियाँ २०अ० ने अपनी जिन्दगी के जरीये से अपने अख्लाक ओ किरदार की ऐसी मिसाल पेश की जिसकी है जिसकी रौशनी में चलकर हजारों लोग मन्जिले मकसूद से हम किनार हुये और अपनी जिन्दगियों का मकसद हासिल किये। आपने अपनी बहुत छोटी सी जिन्दगी में इतना काम कर दिखाया जिसकी मिसाल आज के जमाने में मिलना मुश्किल ही नहीं ना मुमकिन है। इसकी जीती जागती निसाल मुल्क व बैरूने मुल्क में लाखों की संख्या में फैले हुये आपके मुरीद और अकीदत मन्द है।

उन्होंने बताया कि आपका सिलसिला सिलसिला-ए-जहाँगीरीया है। जो सिलसिला-ए-कादिरीया, चितिया, सोहरवदीर्या, फिरदौसिया, नक्शबन्दीया, अबुलउलाईया के मजमूआ का नाम है।

हजरत ख्वाजा मोहम्मद नबी रजा शाह दादा मियाँ का हर साल पाँच रोजा उर्स बड़ी शानों शौकत के साथ हुआ करता है।इस साल ये उर्स पाक 15 से 19 सितम्बर 2025 बरोज पीर से जुमा आस्ताना दादा मियां मॉल ऐवेन्यू में होगा, जिसमें जिक्र, कुर्जान ख्वानी, मीलाद शरीफ तरही मुशायरा, चादरपोशी, हल्का ए जिक्र महफिले समा, आलमी सेमिनार रंगे महफिल, गुस्ल व संदल शरीफ का प्रोग्राम होगा, जिसमें शरीक होने के लिए मुल्क भर से लाखों लोग तशरीफ लायेंगे, और अपनी मुरादें हासिल करेंगे, उर्स में आये हुये लोगों की तालीम का भी खास ख्याल रखा जाता है इसी के उपलक्ष्य में 17 सितम्बर 2025 दिन बुध को 11 वीं आलमी सेमिनार का प्रोग्राम भी होगा, जिसका उनवान अदाबे तरीकत और शाहे रजा होगा, जिसके जरिये दादा मियां की तालीम को लोंगों के सामने लाया जाएगा।इसी उपलक्ष्य में इस प्रोग्राम में शिरकत के लिए मुल्क के नामवर स्कालर तशरीफ लायेंगें जिनमें खुसूसी तौर से जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली से जनाब डॉ० वाहिद नजीर साहब तशरीफ ला रहे नहै। इसके अलावा लखनऊ व आस पास के जिले के उलमाए किराम भी तशरीफ ला रहें हैं। सेमिनार के जरीये दादा मियां की तरह जिन्दगी गुजारने का तरीका बताया व सिखाया जायेगा।

दौरे हाजिर में अगर फिरका परस्ती और ना इत्तेफाकी को दूर करना और इन्सानियत को जिन्दा रखना है तो हमें खानकाही रवादारी व सभ्यता को अपनाना पडेगा, जिससे हमारी आनेवाली नस्लों को दुश्वारियों का सामना न करना पड़े, और सच पूछिये तो खानकाहें ही वक्त की अहम जरूरत है। जिला महकमा इन्तेजामिया ने इस बार भी माकूल इन्तेजाम किये हैं। बल्कि पिछले साल से बेतहर इंतजामात किये गये हैं। जिनका हम तहे दिल से अभार व्यक्त करते हैं।प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वामी लक्ष्मी शंकराचार्य,समाजसेवी मुतुर्जा अली,कुदरत उल्ला,अब्दुल वहीद,जुबैर अहमद आदि मौजूद थे।

# धातानगर पंचायत क्षेत्र में सफाईकर्मियों के साथ मारपीट का मामला

धातानगर पंचायत क्षेत्र में सफाईकर्मियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। 12 सितंबर की शाम को नगर पंचायत की अटेलवा स्थित जमीन पर यह घटना हुई।

कूड़ा गाड़ी चालक अशोक कुमार पासवान जब यूपी 71 सिटी 1911 नंबर की गाड़ी से कूड़ा फेंकने पहुंचे, तब कृपा शंकर शुक्ला और राहुल शुक्ला ने उन्हें रोक दिया। दोनों ने दावा किया कि यह उनकी निजी जमीन है। इसके बाद उन्होंने चालक से बदसलूकी की और गाड़ी की चाबी छीनने की कोशिश की।

आरोपियों ने महिला सफाईकर्मियों के साथ भी अभद्र व्यवहार किया। उन्होंने नगर पंचायत अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी को जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने। आरोपियों ने कूड़ा गाड़ी की चाबी छीन ली और गाड़ी को नुकसान पहुंचाया।

घटना के बाद करीब 50 सफाई कर्मचारी थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें न मानने पर हड़ताल करेंगे। थाना प्रभारी योगेश कुमार ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

नगर पंचायत अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी ने कहा कि दोषियों को कानून के अनुसार सजा दिलाई जाएगी। सफाई कर्मचारी काम बंद कर नगर पंचायत कार्यालय में धरने पर बैठ गए हैं।

# बच्चों में रीढ़ की हड्डी की समस्या से बचाव के लिए समय पर पहचान जरूरी

**जटिल सर्जरी से तीन विभिन्न मरीजों में जागी नई उम्मीद एक्सरसाइज, लाइफस्टाइल, खान पान का ध्यान रखकर स्पाइन को रखें स्वस्थ**

लखनऊ, 13 सितम्बर, 2025: गोरखपुर निवासी 12 वर्षीय मोहिनी जन्म से ही दूसरे बच्चों से अलग थीं। उनके शरीर का ऊपरी हिस्सा आगे की ओर झुका हुआ था और पीठ की ओर एक बड़ा उभार (कूबड़) था जो कपड़े पहनने के बाद भी छिपाया नहीं जा सकता था। इससे न सिर्फ उन्हें चलने फिरने में परेशानी होती थी बल्कि अपनी उम्र में बच्चों में चर्चा का विषय थीं। इस शारीरिक और मानसिक पीड़ा को उन्होंने लंबे समय तक झेला। सिर्फ मोहिनी ही नहीं बल्कि उनके जैसे कई बच्चे और बड़े रीढ़ में झुकाव की समस्या से जूझ रहे हैं। इस तरह की परेशानी से जूझने वाले मरीजों के लिए मेदांता लखनऊ में उम्मीद की नई किरण जग रही है, जहां इस जटिल सर्जरी का सफलतापूर्वक इलाज किया जा रहा है।

मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के ऑर्थोपेडिक्स स्पाइन सर्जरी डिपार्टमेंट के एसोसिएट डायरेक्टर, डॉ. श्वेताभ वर्मा ने बताया कि मोहिनी के केस में हड्डी का कुछ हिस्सा निकालकर उसमें रॉड्स और स्क्रू लगाए गए। सर्जरी के

बाद उनका कूबड़ काफी हद तक कम हो गया है। पहले जहां 90 डिग्री का कर्व था, अब वह 40 डिग्री से भी कम रह गया है। अब वह सामान्य जीवन जी पा रही हैं। रीढ़ की हड्डी से जुड़ी बीमारियां सिर्फ वयस्कों तक सीमित नहीं हैं, बच्चों और किशोरों में भी ये समस्याएं तेजी से सामने आ रही हैं। समय पर पहचान और सही इलाज न मिलने पर ये दिक्कतें न सिर्फ बच्चों के आत्मविश्वास को प्रभावित करती हैं बल्कि उनकी चलने-फिरने की क्षमता और जीवन की गुणवत्ता पर भी स्थायी असर डाल सकती हैं।

समय पर पहचान जरूरी

बच्चों में रीढ़ की हड्डी की विकृतियां कई बार जन्मजात होती हैं और कई बार उम्र बढ़ने के साथ विकसित होती हैं। असामान्य रूप से टेढ़ी होती हड्डी को स्कोलियोसिस कहते हैं, वहीं जन्म से रीढ़ की हड्डी का आगे की ओर झुकाव काइफोसिस कहलाता है। इन स्थितियों में बच्चों को चलने, सीधा खड़ा होने और शारीरिक संतुलन में दिक्कत हो सकती है। इससे सेहत पर नकारात्मक प्रभाव के साथ आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। इस तरह की समस्या जन्मजात हो सकती है, 3 से 10 वर्ष की उम्र में विकसित हो सकती है या 10 से 12 वर्ष के बीच दिखाई दे सकती है। हर स्थिति का मैनेजमेंट अलग होता है। खासकर 3 से 10 साल के बच्चों में इसका समय पर पता लगाना मुश्किल हो जाता है। इसलिए अभिभावकों को सावधान रहना चाहिए। अगर बच्चा टेढ़ा खड़ा हो रहा है, उसकी चाल बदल रही है, एक कंधा अधिक झुका हुआ है, कमर तिरछी है या पीठ पर बालों का गुच्छा या धब्बे दिखाई दे रहे हैं तो तुरंत विशेषज्ञ को दिखाना चाहिए ताकि समस्या की पुष्टि हो सके।

जटिल सर्जरी से समान्य जीवन संभव

डॉ. श्वेताभ ने बताया कि हाल ही में हमने दो स्कोलियोसिस और एक काइफोसिस के मरीज का सफलतापूर्वक इलाज किया है। इसमें एक बच्ची को 10 साल की उम्र के बाद यह समस्या हुई। मरीज की रीढ़ की हड्डी में कर्व 70 से 80 डिग्री तक पहुंच गया था। उस समय महावसरी शुरू होने वाली थी। जिन लड़कियों में पीरियड शुरू होने वाला हो और उनकी डिफॉर्मिटी बहुत ज्यादा हो, उन्हें तुरंत ऑपरेट करना जरूरी होता है क्योंकि पीरियड शुरू होने के बाद यह झुकाव तेजी से बढ़ता है। वहीं एक 12-13 साल का लड़का था, जिसे काइफोसिस था। उसकी दो हड्डियां जन्म से ही जुड़ी हुई थीं। जैसे ही उसकी लंबाई बढ़नी शुरू हुई, पीठ में कूबड़ और ज्यादा उभरने लगा।